



चम्पारण ज्ञानाग्रह



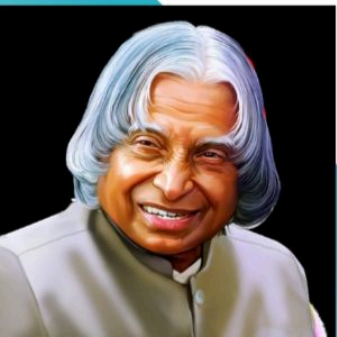
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 29 अक्टूबर 2026, अंक -388.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"जिसका मन शांत है, उसके लिए पूरी दुनिया शांत है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Thursday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, वन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गिरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लोटगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तंरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. बोत्सवाना की राजधानी क्या है?

उत्तर: गैबोरोन

प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री कौन थे?

उत्तर: राकेश शर्मा

प्रश्न 3. 'बिहू' किस राज्य का प्रमुख लोकपर्व है?

उत्तर: असम

प्रश्न 4. 13^2 का मान कितना होगा?

उत्तर: 169

प्रश्न 5. बिहार का 'बाराबर गुफा समूह' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: जहानाबाद

प्रश्न 6. कौन-सा जीव अपने शरीर के कटे हुए अंग को पुनः विकसित करने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर: एक्सोलोटल

प्रश्न 7. भाप के इंजन को व्यावहारिक रूप से विकसित करने वाले प्रसिद्ध आविष्कारक कौन थे?

उत्तर: जेम्स वाट

प्रश्न 8. भारत में राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

उत्तर: 6 वर्ष

प्रश्न 9. 'जो बहुत कम खर्च करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: मितव्ययी

प्रश्न 10. पौधों की पत्तियों में गैसों का आदान-प्रदान मुख्यतः किस सूक्ष्म छिद्र से होता है?

उत्तर: रंध्र

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Civilization - सिविलाइज़ेशन - सभ्यता
- 2 Empire - एम्पायर - साम्राज्य
- 3 Emperor - एम्परर - सम्राट
- 4 Dynastic - डायनैस्टिक - राजवंशीय
- 5 Fortification - फोर्टिफिकेशन - दुर्गीकरण / किलेबंदी
- 6 Relic - रेलिक - अवशेष / पवित्र अवशेष
- 7 Legacy - लेगेसी - विरासत / धरोहर



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How many + plural noun + is he/she going to + V1?"

(वह कितने/कितनी ... करने वाला/वाली है?)

वह कितनी किताबें खरीदने वाला है? - How many books is he going to buy?

वह कितने पौधे लगाने वाली है? - How many plants is she going to plant?

वह कितने प्रश्न हल करने वाला है? - How many questions is he going to solve?

वह कितने लोगों को आमंत्रित करने वाली है? - How many people is she going to invite?

वह कितने दिन वहाँ रहने वाला है? - How many days is he going to stay there?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 29 अक्टूबर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन द्वारा मस्तिष्क पक्षाघात (लकवा) के लक्षणों की त्वरित पहचान और समय पर उपचार हेतु कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व स्ट्रोक दिवस (World Stroke Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 29 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व स्ट्रोक दिवस' (World Stroke Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2006 में 'वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन' (WSO) द्वारा की गई थी। स्ट्रोक मस्तिष्क की धमनियों में रक्त के थक्के जमने (इस्केमिक स्ट्रोक) या रक्त वाहिका के फटने (हेमरेजिक स्ट्रोक) से मस्तिष्क कोशिकाओं को ऑक्सीजन न मिलने के कारण होता है। इसके लक्षणों की त्वरित पहचान हेतु वैश्विक 'FAST' सूत्र (Face drooping, Arm weakness, Speech difficulty, Time to call emergency) का प्रचार किया जाता है। लक्षण दिखने के प्रारंभिक 4.5 घंटे (विंडो पीरियड) में प्रोम्बोलिटिक इंजेक्शन या चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराकर मस्तिष्क क्षति को स्थायी होने से रोका जा सकता है।

संदर्भ: World Stroke Organization (WSO) Guidelines;

प्र.2. वर्ष 1983 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीय मूल के प्रख्यात खगोल-भौतिकविद डॉ. सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर ने तारों के श्वेत वामन (White Dwarf) बनने की अधिकतम द्रव्यमान सीमा (1.44 सौर द्रव्यमान) की खोज की थी, जिसे किस नाम से जाना जाता है? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: चंद्रशेखर सीमा (Chandrasekhar Limit)

व्याख्या: भारतीय मूल के अमेरिकी खगोलविद डॉ. सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर को वर्ष 1983 में विलियम फाउलर के साथ 'भौतिकी का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया था। उन्होंने 1930 में मात्र 19 वर्ष की आयु में कैम्ब्रिज जाते समय यह सिद्ध किया था कि यदि किसी सिकुड़ते तारे का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना ($1.44 M_{\odot}$) से कम है, तो वह इलेक्ट्रॉन अपभ्रंश दाब (Electron Degeneracy Pressure) के कारण एक स्थिर 'श्वेत वामन' (White Dwarf) बनकर शांत हो जाएगा। यदि द्रव्यमान इस सीमा से अधिक हो, तो तारा गुरुत्वाकर्षण के प्रचंड खिंचाव को रोक नहीं पाता और न्यूट्रॉन तारा या ब्लैक होल (कृष्ण विवर) में विलीन हो जाता है। इस गणितीय सीमा को खगोल भौतिकी में 'चंद्रशेखर सीमा' कहा जाता है।

संदर्भ: NobelPrize.org; Official Archives; Subrahmanyan Chandrasekhar; Physics Today.

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें अनमेल विवाह, पारिवारिक कलह और निर्मला के माध्यम से समाज में दहेज प्रथा तथा नारी पराधीनता के त्रासद परिणामों का मार्मिक अंकन किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: निर्मला (1927)

व्याख्या: 'निर्मला' (1927) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित यथार्थवादी हिंदी उपन्यास परंपरा की एक कालजयी कृति है। यह उपन्यास एक युवा और भोली-भाली लड़की 'निर्मला' के जीवन की त्रासदी पर केंद्रित है, जिसका विवाह दहेज के अभाव में एक अथेड़ उम्र के बकील तोताराम से कर दिया जाता है। उपन्यास में अनमेल विवाह, पारिवारिक कलह, तोताराम के बड़े बेटे मंसाराम पर अनुचित संदेह और सामाजिक संकीर्णता के चलते पूरे परिवार के विनाश का अत्यंत कारुणिक और मर्मस्पर्शी अंकन किया गया है। प्रेमचंद ने इसके माध्यम से तत्कालीन समाज में स्त्री की विवशता और दहेज के अभिशाप पर तीखा प्रहार किया है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'निर्मला', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी पोषण स्तर पर ऊर्जा के स्थानांतरण के दौरान केवल 10% ऊर्जा ही अगले स्तर को प्राप्त होती है और 90% ऊर्जा श्वसन व ऊष्मा में नष्ट हो जाती है; यह '10 प्रतिशत का नियम' 1942 में किस वैज्ञानिक ने प्रतिपादित किया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: रेमंड लैंडमैन (Raymond Lindeman)

व्याख्या: अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी रेमंड लैंडमैन ने वर्ष 1942 में खाद्य श्रृंखला में ऊर्जा स्थानांतरण की दक्षता को स्पष्ट करने हेतु 'ऊर्जा का 10 प्रतिशत नियम' (10 Percent Law of Energy Transfer) प्रतिपादित किया था। इस नियम के अनुसार जब ऊर्जा एक पोषण स्तर (जैसे उत्पादक/पौधे) से अगले पोषण स्तर (जैसे प्राथमिक उपभोक्ता/शाकाहारी) में स्थानांतरित होती है, तो केवल लगभग 10 प्रतिशत संचित रासायनिक ऊर्जा ही नए बायोमास के रूप में अगले स्तर को प्राप्त होती है। शेष 90 प्रतिशत ऊर्जा उपापचय (Metabolism), कोशिकीय श्वसन और ऊष्मा के रूप में पर्यावरण में विसर्जित हो जाती है। यही कारण है कि किसी भी खाद्य श्रृंखला में सामान्यतः 3 से 4 पोषण स्तर ही होते हैं।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 261-264;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मंदसौर (मध्य प्रदेश) में मुगल राजवंश के किस राजकुमार ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित किया था? (इतिहास)

उत्तर: शहजादा फिरोज शाह

व्याख्या: शहजादा फिरोज शाह (1832-1877) 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह के एक अत्यंत साहसी, जुझारू और सैन्य रूप से कुशल नेता थे। वे अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के भतीजे थे। मक्का की तीर्थयात्रा से लौटकर उन्होंने मध्य प्रदेश के मंदसौर को अपना केंद्र बनाया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर अफगान और मेवाती सैनिकों की एक विशाल विद्रोही सेना तैयार की। उन्होंने मध्य भारत, राजस्थान और बुंदेलखंड में ब्रिटिश सेनाओं को कई भीषण युद्धों में टक्कर दी। दिल्ली और लखनऊ के पतन के बाद भी उन्होंने तात्या टोपे और राव तुला राम के साथ मिलकर लंबे समय तक अंग्रेजों के खिलाफ छापामार युद्ध जारी रखा।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत पश्चिमी घाट (सहाद्री) का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है, जो केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पहाड़ियों पर स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: अनाईमुडी (Anaimudi - 2,695 मीटर)

व्याख्या: अनाईमुडी (शाब्दिक अर्थ: हाथी का माथा) दक्षिण भारत और प्रायद्वीपीय भारत का सर्वोच्च पर्वत शिखर है, जिसकी समुद्र तल से कुल ऊँचाई 2,695 मीटर (8,842 फीट) है। यह शिखर केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पर्वत श्रेणी के भीतर 'इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' में स्थित है। यह तीन पहाड़ी श्रृंखलाओं — उत्तर में अन्नामलाई, दक्षिण में काईमम (इलायची) पहाड़ियों और उत्तर-पूर्व में पलनी पहाड़ियों — का मुख्य ग्रंथि बिंदु है। यह क्षेत्र संकटग्रस्त 'नीलगिरी तहर' और 'कुरिंजी' (नीलाकुरिंजी) के दुर्लभ पुष्पों के पर्यावास के लिए विश्वविख्यात है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12-14;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि, राष्ट्रों के मध्य न्यायसंगत संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संधियों के सम्मान का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 51 (राज्य के नीति निर्देशक तत्व)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित राज्य की नीति के निर्देशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 51' भारत की विदेश नीति का संवैधानिक और नैतिक आधारस्तंभ है। यह स्पष्ट घोषित करता है कि राज्य: (क) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का, (ख) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का, (ग) अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का, तथा (घ) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता द्वारा निपटारे को प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा। इसी अनुच्छेद से भारत के 'पंचशील सिद्धांत' और 'गुटनिरपेक्षता' की नीति को संवैधानिक दिशा प्राप्त हुई।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 51; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43-46;

प्र.8. किसी पारदर्शी माध्यम का अपवर्तनांक 2.0 है; यदि निर्वात में प्रकाश की चाल 3×10^8 मीटर/सेकंड हो, तो उस माध्यम में प्रकाश की चाल कितने मीटर/सेकंड होगी? (विज्ञान)

उत्तर: 1.5×10^8 मीटर/सेकंड

व्याख्या: प्रकाशिकी में निरपेक्ष अपवर्तनांक (n), निर्वात में प्रकाश की चाल (c) और माध्यम में प्रकाश की चाल (v) के मध्य संबंध निम्नलिखित सूत्र द्वारा व्यक्त किया जाता है:

$n = c / v$, पक्षांतरण करने पर: $v = c / n$, यहाँ दिया गया है: निर्वात में प्रकाश की चाल (c) = $3 \times 10^8 \text{ m/s}$, माध्यम का अपवर्तनांक (n) = 2.0, मान प्रतिस्थापित करने पर: $v = (3 \times 10^8) / 2.0$
 $v = 1.5 \times 10^8 \text{ मीटर/सेकंड}$

यह परिणाम दर्शाता है कि 2.0 अपवर्तनांक वाले सघन माध्यम में प्रकाश की गति निर्वात की तुलना में आधी रह जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 187-190;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में चंदेल राजवंश के प्रतापी राजा धंगदेव द्वारा मध्य प्रदेश के छतरपुर (खजुराहो) में पंचायतन शैली और नागर वास्तुकला में निर्मित भगवान शिव का विख्यात शिखर मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कंदारिया महादेव मंदिर (खजुराहो)

व्याख्या: कंदारिया महादेव मंदिर मध्य प्रदेश के खजुराहो में स्थित चंदेल कालीन नागर स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ और सबसे भव्य मंदिर है। इसका निर्माण लगभग 999 से 1025 ईस्वी के मध्य चंदेल सम्राट राजा धंगदेव/विद्याधर के शासनकाल में हुआ था। यह मंदिर भगवान शिव (कंदारिया अर्थात् गुफा के स्वामी) को समर्पित है। इसकी मुख्य पहचान इसका 31 मीटर ऊँचा केंद्रीय मुख्य शिखर है, जो हिमालय की कैलाश पर्वतमाला की चोटियों के समान 84 छोटे-छोटे उप-शिखरों (उरुशुंगों) से घिरा हुआ है। मंदिर का गर्भगृह, अंतराल, महामंडप और अर्द्धमंडप एक ऊँचे जगती (अधिष्ठान) पर स्थापित हैं। इसकी दीवारों पर उकेरी गई मूर्तिकला अपनी सजीवता, अंग-सौष्ठव और आध्यात्मिक गहराई के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। 1986 में खजुराहो समूह को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 75-78;

प्र.10. 1919 में स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में बिहार के दरभंगा, मधुबनी और पूर्णिया क्षेत्रों में दरभंगा राज के विरुद्ध संगठित हुआ शक्तिशाली आंदोलन कौन-सा था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: किसान आंदोलन (दरभंगा राज विरोध)

व्याख्या: 1919-20 में बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा, मधुबनी, सहरसा और पूर्णिया) में दरभंगा राज के महाराजा की शोषणकारी नीतियों, अत्यधिक लगान, वनों से लकड़ी चुनने पर रोक और चराई कर के विरुद्ध एक व्यापक कृषक आंदोलन भड़का। इस आंदोलन का नेतृत्व स्वामी विद्यानंद (वास्तविक नाम: विभूषण प्रसाद) ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर रैयतों और छोटे किसानों को एकजुट किया। स्वामी विद्यानंद ने किसानों के अधिकारों के लिए 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' के गठन से भी पहले किसान रैलियाँ आयोजित कीं और ब्रिटिश सरकार तथा दरभंगा राज को किसानों के शोषण की जाँच हेतु विवश किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Peasant Movements;



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 — सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार सड़क पर आपातकालीन वाहनों (एम्बुलेंस, दमकल गाड़ी) के सायरन बजने पर सामान्य वाहनों को क्या तात्कालिक कदम उठाना चाहिए और जेब्रा क्रॉसिंग (Zebra Crossing) पर पैदल यात्रियों के क्या वैधानिक अधिकार हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: वाहन को तुरंत बाईं ओर मोड़कर रास्ता साफ करना; पैदल यात्रियों को सड़क पार करने का प्रथम अधिकार (Right of Way)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और मोटर वाहन नियम 2019 के अनुसार: (1) आपातकालीन वाहनों को मार्ग देना (Emergency Vehicle Protocol) — यदि पीछे से या सामने से एम्बुलेंस अथवा दमकल (फायर ब्रिगेड) की गाड़ी सायरन बजाते या बत्ती जलाते हुए आ रही हो, तो सड़क पर चल रहे प्रत्येक वाहन चालक का यह कानूनी व नैतिक कर्तव्य है कि वह अपने वाहन की गति धीमी कर उसे तुरंत सड़क के 'बाईं ओर' (Left Side) दबा ले और आपातकालीन वाहन को निर्बाध रूप से आगे निकलने के लिए पूरा मार्ग खाली कर दे; आपातकालीन वाहन का रास्ता रोकना मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है; (2) जेब्रा क्रॉसिंग का नियम — चौराहों या पैदल पार-पथ (Zebra Crossing) पर सफेद पट्टियों के पास पहुँचते ही सभी वाहन चालकों को अपने वाहन की गति अत्यंत धीमी करनी चाहिए अथवा रोक देना चाहिए; सड़क पार कर रहे पैदल यात्रियों को कानूनन 'प्रथम अधिकार' (Right of Way) प्राप्त होता है; कभी भी जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन को खड़ा न करें और पैदल चलने वालों को हमेशा पहले सुरक्षित निकल जाने दें।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 — "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी";



प्र.12. किसी वस्तु को ₹720 में बेचने पर एक दुकानदार को 20% का लाभ होता है। बताइए उस वस्तु का क्रय मूल्य (Cost Price) कितने रुपये था? (रोचक पहेली/ गणित/रीज़निंग)

उत्तर: ₹600

व्याख्या: यह लाभ और हानि (Profit and Loss) के मूलभूत प्रतिशत संबंधों पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

विक्रय मूल्य (SP) = ₹720, लाभ प्रतिशत (P%) = 20%, क्रय मूल्य (CP) = ?, सूत्र: $SP = CP \times [1 + (P\% / 100)]$

$720 = CP \times [1 + (20 / 100)]$, $720 = CP \times [1 + (1 / 5)]$, $720 = CP \times (6 / 5)$

पक्षान्तरण करने पर:

$CP = 720 \times (5 / 6)$

720 को 6 से विभाजित करने पर: $720 / 6 = 120$

$CP = 120 \times 5 = 600$ रुपये।

(जोड़: ₹600 का 20% लाभ = $600 \times (20 / 100) = 120$ रुपये; विक्रय मूल्य = $600 + 120 = 720$ रुपये।)

अतः उस वस्तु का वास्तविक क्रय मूल्य ठीक ₹600 था।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 8 "राशियों की तुलना" (Comparing Quantities - Profit and Loss), p. 125-129;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Adroit (अड्रॉइट) = Skillful (स्किलफुल) = कुशल / निपुण / दक्ष
Antonym – Clumsy (क्लम्ज़ी) = अनाड़ी / भद्दा / अकुशल
2. Bucolic (ब्यूकॉलिक) = Rural (रूरल) = ग्रामीण / गाँव से संबंधित / देहाती
Antonym – Urban (अर्बन) = शहरी / नगर संबंधी
3. Encomium (एन्कोमियम) = Eulogy (यूलजी) = प्रशंसात्मक भाषण / स्तुतिगान
Antonym – Condemnation (कन्डेमनेशन) = निंदा / भर्त्सना
4. Frugal (फ्रूगल) = Economical (इकनॉमिकल) = मितव्ययी / कम खर्च करने वाला
Antonym – Extravagant (एक्स्ट्रैवगन्ट) = फिजूलखर्च / अपव्ययी
5. Inchoate (इनकोएट) = Rudimentary (रूडिमेन्टरी) = प्रारंभिक / अविकसित / अधूरा
Antonym – Mature (मैच्योर) = परिपक्व / विकसित

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India and Mexico begin negotiations for Preferential Trade Agreement; sign terms of reference

हिन्दी अनुवाद: भारत और मैक्सिको ने वरीयतापूर्ण व्यापार समझौते (PTA) के लिए बातचीत शुरू की; कार्य क्षेत्र शर्तों पर हस्ताक्षर किए। भारत और मैक्सिको ने वरीयतापूर्ण व्यापार समझौते (PTA) के लिए बातचीत शुरू की है। दोनों देशों ने कार्य क्षेत्र शर्तों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

Raksha Mantri calls for 'Aatmanirbharta 2.0'; DAC clears ₹2.12 lakh crore capital acquisition proposals for defence forces

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया; DAC ने रक्षा बलों के लिए ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में रक्षा आत्मनिर्भरता में अगली छलांग के लिए 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया। रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ तक पहुँचा है। भारत अब पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है।

INTERNATIONAL NEWS

Iran hasn't tried to repair nuclear facilities damaged in US strikes, UN nuclear chief says; Saudi-led coalition stops three more Houthi missiles and four drones

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने अमेरिकी हमलों में क्षतिग्रस्त परमाणु सुविधाओं की मरम्मत करने की कोशिश नहीं की, UN परमाणु प्रमुख ने कहा; सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन और हूती मिसाइल और चार ड्रोन रोके।

IAEA प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि जून 2025 के बाद से उन्होंने 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त किसी सुविधा की मरम्मत या पुनर्निर्माण की कोई गतिविधि नहीं देखी है। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन और हूती मिसाइलों और चार ड्रनों को रोका।

Trump says war will end when 'I want to end it'; Houthis claim new attack on Riyadh airport; Saudi-backed Yemeni forces and Iran-backed Houthi rebels intensify fighting

हिन्दी अनुवाद: ट्रंप ने कहा कि युद्ध तब समाप्त होगा जब 'मैं इसे समाप्त करना चाहूंगा'; हूतियों ने रियाद हवाई अड्डे पर नया हमला करने का दावा किया; सऊदी-समर्थित यमनी बलों और ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई तेज।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध तब समाप्त होगा जब वह इसे समाप्त करना चाहेंगे। हूतियों ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया। सऊदी-समर्थित यमनी बलों और ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

Saudi-led coalition stops three more Houthi missiles and four drones; Houthis repeatedly attack Saudi military, oil infrastructure and transport facilities

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन और हूती मिसाइल और चार ड्रोन रोके; हूतियों ने सऊदी सैन्य, तेल बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन और हूती मिसाइलों और चार ड्रनों को रोका। हूती हमलों से सऊदी सैन्य, तेल बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है।

BIHAR NEWS

Bihar to seek relief funds from Centre to remove sand, silt from flood-hit farmlands, fisheries; 22 districts asked to assess damage

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू और गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; government approves plan to remove silt and build embankment from Valmikinagar to 80 km

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; सरकार ने गाद हटाने और वाल्मीकिनगर से 80 किमी तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। बिहार सरकार ने गंडक नदी से गाद निकालने और वाल्मीकिनगर से करीब 80 किलोमीटर तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी है।

SPORTS NEWS

New Zealand beat India by 50 runs in 4th T20I; India lead series 3-1

हिन्दी अनुवाद: न्यूज़ीलैंड ने चौथे T20I में भारत को 50 रन से हराया; भारत श्रृंखला में 3-1 से आगे।

विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम में न्यूज़ीलैंड ने 216 रन का लक्ष्य दिया। भारत 165 रन पर ऑल आउट हो गया। न्यूज़ीलैंड ने 50 रन से जीत दर्ज की।

India lead series 3-1; 5th T20I to be played in Hamilton on November 1

हिन्दी अनुवाद: भारत श्रृंखला में 3-1 से आगे; पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

भारत ने पहले तीन T20I जीते हैं और श्रृंखला में 3-1 की बढ़त बनाई है। पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“आत्मनिर्भरता 2.0: DAC ने ₹2.12 लाख करोड़ के रक्षा अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी”

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए लगभग ₹2,12,000 करोड़ के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (AON) दी है। इसमें भारतीय सेना के लिए हाई मोबिलिटी वाहन, सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रेकड गन

सिस्टम, लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, VSHORADS, काउंटर-ड्रोन प्रणाली और लंबी रेंज कामिकाज़े ड्रोन सिस्टम शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में रक्षा क्षेत्र में ‘आत्मनिर्भरता 2.0’ का आह्वान किया।

बचपन से ही वाल्ट डिज़्नी को चित्र बनाने का शौक था। अमेरिका में जन्मे वाल्ट का शुरुआती जीवन संघर्षों से भरा था। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उन्होंने अखबार बाँटने जैसे छोटे-मोटे काम किए, लेकिन चित्र बनाने का अपना शौक कभी नहीं छोड़ा।

बड़े होने पर उन्होंने कार्टून बनाने का काम शुरू किया। वे चाहते थे कि उनके बनाए चित्र पर्दे पर चलते-फिरते दिखाई दें। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने एक कंपनी बनाई, लेकिन वह असफल हो गई। फिर उन्होंने नई शुरुआत की और कार्टून फिल्में बनाने लगे।

कुछ समय बाद उन्होंने ओस्वाल्ड नाम का एक खरगोश पात्र बनाया, जो लोगों को पसंद आने लगा। लेकिन जल्द ही उन्हें उस पात्र के अधिकार खोने पड़े। यह उनके लिए बड़ा झटका था। वर्षों की मेहनत के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

लेकिन वाल्ट ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने सहयोगी यूब आइवर्क्स के साथ मिलकर एक नए पात्र की कल्पना की। वह एक छोटा-सा चूहा था, जिसका नाम रखा गया मिकी माउस।

शुरुआत में सफलता आसानी से नहीं मिली। फिर 1928 में मिकी माउस की फिल्म स्टीमबोट विली ने लोगों का ध्यान खींचा। धीरे-धीरे मिकी माउस बच्चों और बड़ों, दोनों का प्रिय बन गया। आगे चलकर वाल्ट डिज़्नी ने अपनी कल्पना से मनोरंजन की एक विशाल दुनिया खड़ी कर दी।

आज उनकी कहानी हमें सिखाती है कि असफलता के बाद भी नई शुरुआत की जा सकती है।

प्रेरक सीख: सपने बड़े हों तो कठिनाइयों से घबराइए मत। लगातार सीखते रहिए और प्रयास करते रहिए। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार भी पूरी दुनिया में पहचान बना सकता है।



.....✍
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।



आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-27

सोचो... समझो... हल करो...

3	5								
8			7	1					
			4			9		2	
	7		3						
6				5	2				1
5		8							
		9					4	5	
						1	2	9	
4	8								

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

3	6	4	2	8	9	8	1	7
8	9	2	7	1	6	8	3	4
1	6	7	4	3	8	9	8	2
9	7	1	3	8	4	2	8	8
8	4	3	8	8	2	7	9	1
6	2	8	1	9	7	4	8	3
2	1	9	8	7	3	8	4	8
7	3	8	8	4	9	1	2	9
4	8	8	9	2	1	3	7	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 7, श्लोक 7
मत्तः परतरं नान्यत्किञ्चिदस्ति धनञ्जय।
मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे धनञ्जय (अर्जुन)! मुझसे श्रेष्ठ या परे दूसरा कुछ भी नहीं है। यह संपूर्ण जगत् मुझमें उसी प्रकार पिरोया हुआ है, जैसे धागे में मणियों (मोतियों) की माला पिरोई रहती है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ संपूर्ण सृष्टि की अंतर्निहित एकता (Underlying Unity & Interconnectedness) का दर्शन कराते हैं। यह श्लोक बाहरी विविधताओं के पीछे छिपे मूल सत्य को देखने की दृष्टि देता है:

- दृश्य मोती बनाम अदृश्य धागा: जब हम मोतियों की माला देखते हैं, तो केवल अलग-अलग रंग और आकार के मोती दिखाई देते हैं। बीच का धागा अदृश्य रहता है, जबकि वास्तविकता यह है कि उन सभी मोतियों को एक साथ बांधकर सुंदर माला का रूप देने वाला वह धागा ही है। धागा टूटा तो सब बिखर जाता है।
- पारस्परिक जुड़ाव का बोध (Ecosystem Thinking): आधुनिक विज्ञान और पारिस्थितिकी (Ecology) भी यही मानती है कि प्रकृति में कोई भी चीज़ अलग-थलग नहीं है। मनुष्य, प्रकृति, समाज और समस्त जीव-जंतु एक ही जीवन-ऊर्जा (धागे) से बंधे हैं। जब यह भाव जागता है, तो अलगाव, अहंकार और दूसरों के प्रति द्वेष समाप्त हो जाता है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नया पाठ्यक्रम है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाधार, विदेशी समाधार, बिहार की खबर, खेल की समाधार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ • बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सत्याग्रही शैक्षिक पालत सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालत हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग



प्रखंड संसदन केंद्र बगहा दो • जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यक्रिप' मॉडल से सार्वजनिक

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यक्रिप' मॉडल के रूप में विवरित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विवरण, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ाई के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। धृष्टन रम्य, बीडेंडा, जगन्नाथ

संयोजित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस कर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संयोजित यह पहल यह साबित कर रही है कि शैक्षित संस्थाओं में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सरावत



भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

गांधीजी के राजनीतिक गुरु: गोपाल कृष्ण गोखले

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जिन्होंने पूरी दुनिया को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया, वे खुद किसे अपना गुरु और मार्गदर्शक मानते थे? बापू जिस महान व्यक्तित्व के त्याग, सच्चाई और विद्वता के आगे नतमस्तक होते थे, वे थे महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले! महात्मा गांधी ने उन्हें 'गंगा जैसी पवित्र आत्मा' कहकर पुकारा था।

गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 9 मई 1866 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि ज़िले के कोटलुक गाँव के एक निर्धन चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री कृष्णराव गोखले एक साधारण क्लर्क थे, जो बड़े ईमानदार और उसूलों के पक्के व्यक्ति थे। उनकी माता श्रीमती सत्यभामा बाई अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और सादगीपसंद महिला थीं। जब गोपाल मात्र तेरह वर्ष के थे, तभी उनके पूज्य पिता का साया उनके सिर से उठ गया। इसके बाद उनके बड़े भाई गोविंदराव ने अपनी छोटी सी नौकरी से पेट काटकर नन्हे गोपाल की पढ़ाई का खर्च उठाया।

नन्हे गोपाल के बचपन की एक सत्यनिष्ठा वाली घटना बहुत प्रसिद्ध है। स्कूल में एक बार शिक्षक ने बच्चों को गणित का एक बहुत कठिन सवाल घर से हल करके लाने को दिया। अगले दिन सिर्फ नन्हे गोपाल ही उस प्रश्न का सही हल लिखकर लाए। शिक्षक बहुत खुश हुए और उन्हें पुरस्कार देने लगे। पर नन्हे गोपाल पुरस्कार लेने के बजाय फफक-फफक कर रोने लगे। जब शिक्षक ने कारण पूछा, तो बालक ने सजल आँखों से कहा—"गुरुजी, मैं इस पुरस्कार का हकदार नहीं हूँ। यह सवाल मैंने खुद नहीं, बल्कि अपने बड़े भाई की मदद से हल किया है।" शिक्षक बालक की इस ईमानदारी और सच बोलने के साहस से इतने गद्गद हुए कि उन्होंने गले लगाकर कहा कि तुम्हारी यह सच्चाई ही तुम्हारा सबसे बड़ा पुरस्कार है।

गोपाल जी ने मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज से स्नातक किया और पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में इतिहास और अर्थशास्त्र के प्राध्यापक (प्रोफेसर) बन गए। वे इतने आदरणीय शिक्षक थे कि लोग उन्हें 'प्रोफेसर गोखले' कहने लगे। उन्होंने महान समाज सुधारक महादेव गोविंद रानाडे को अपना गुरु बनाया। वर्ष 1905 में उन्होंने 'भारत सेवक समाज' (सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी) की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे सच्चे देशभक्त तैयार करना था, जो बिना किसी वेतन या स्वार्थ के देश के गरीबों, अनाथों और अकाल पीड़ितों की सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दें।

गोखले जी ने इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल (संसद) में अंग्रेज़ों की आर्थिक नीतियों की धज्जियाँ उड़ा दीं। उन्होंने देश में पहली बार प्राथमिक शिक्षा को मुफ्त और अनिवार्य बनाने के लिए ऐतिहासिक विधेयक पेश किया। जब गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे, तो गोखले जी ने भारत भर में धन जुटाकर उनकी मदद की और खुद दक्षिण अफ्रीका जाकर गांधीजी का समर्थन किया। गांधीजी के भारत लौटने पर गोखले जी ने ही उन्हें सलाह दी थी कि सक्रिय राजनीति में उतरने से पहले वे एक साल तक पूरे भारत का भ्रमण कर आम जनता के दुख-दर्द को समझें।

अत्यधिक परिश्रम के कारण मात्र 48 वर्ष की आयु में, 19 फरवरी 1915 को इस महान देशभक्त का देहांत हो गया। प्यारे बच्चों, गोपाल कृष्ण गोखले का पावन जीवन हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कोई भी परिस्थिति आए, कभी झूठ का सहारा मत लो, हमेशा ईमानदारी से पढ़ाई करो और निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे रहो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





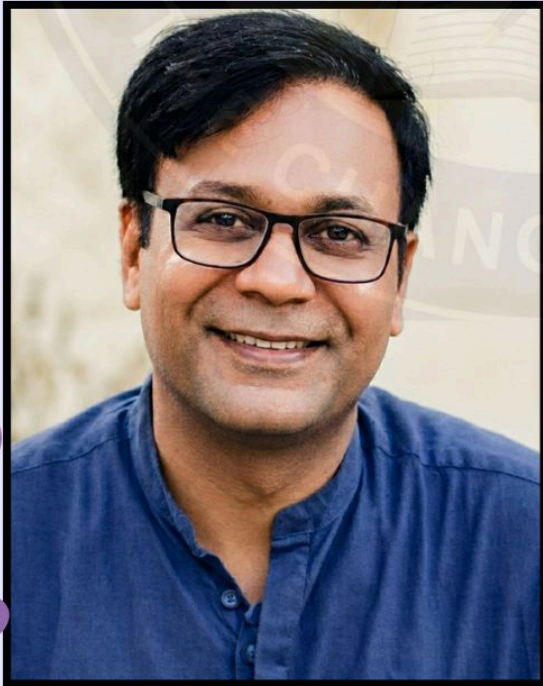
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

बाहरी मतभेदों, विभिन्नताओं और विवादों से आगे बढ़कर उस
अदृश्य कड़ी को देखिए जो हम सबको जोड़ती है। जब आप दूसरों
में स्वयं का ही विस्तार देखने लगते हैं, तो कड़वाहट मिट जाती है
और जीवन एक सुंदर माला की तरह व्यवस्थित हो जाता है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

